2025
हिन्दी

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 11 **पूर्णांक :** 100

नोट :

(i) प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।

(ii) इस प्रश्न-पत्र में दो खण्ड हैं। दोनों खण्डों के सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

खण्ड – क

1. (क) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' का जन्म हुआ था – **1**

(A) 1806 ई. में (B) 1907 ई. में (C) 1906 ई. में (D) 1920 ई. में

(ख) 'वाग्धारा' निबंध-संग्रह के लेखक हैं – **1**

(A) हजारीप्रसाद द्विवेदी (B) डॉ. वासुदेवशरण अग्रवाल (C) रामचन्द्र शुक्ल (D) इनमें से कोई नहीं

(ग) गिरिजाकुमार माथुर का जन्म हुआ था – **1**

(A) 1909 ई. में (B) 1917 ई. में (C) 1919 ई. में (D) 1924 ई. में

(घ) हजारीप्रसाद द्विवेदी का जन्म किस जनपद में हुआ था ? **1**

(A) बलिया (B) देवरिया (C) गाजीपुर (D) प्रतापगढ़

(ङ) 'वसुधा' नामक पत्रिका के सम्पादक का नाम है – **1**

(A) रामचन्द्र शुक्ल (B) प्रतापनारायण मिश्र (C) हरिशंकर परसाई (D) महादेवी वर्मा

2. (क) हिन्दी साहित्य के इतिहास को मुख्यतः कितने कालों में बाँटा गया है ? **1**

(A) 5 (B) 7 (C) 4 (D) 6

(ख) साध्यगीत काव्य-संकलन के रचनाकार हैं – **1**

(A) महादेवी वर्मा (B) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' (C) जयशंकर प्रसाद (D) धर्मवीर भारती

(ग) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र का जन्म हुआ था – **1**

(A) 1850 ई. में (B) 1870 ई. में (C) 1907 ई. में (D) 1922 ई. में

(घ) मैथिलीशरण गुप्त का जन्म किस जनपद में हुआ था ? **1**

(A) मैनपुरी (B) अलीगढ़ (C) इटावा (D) झाँसी

(ङ) 'अजातशत्रु' नाटक के लेखक हैं – **1**

(A) जयशंकर प्रसाद (B) महादेवी वर्मा (C) रामकुमार वर्मा (D) इनमें से कोई नहीं

3. निम्नलिखित में से किसी एक गद्यांश का संदर्भ देते हुए उसके नीचे अंकित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **5 × 2 = 10**

आज के अनेक आर्थिक एवं सामाजिक विधानों की हम जाँच करें तो पता चलेगा कि वे हमारी सांस्कृतिक चेतना के क्षीण होने के कारण युगानुकूल परिवर्तन और परिवर्धन की कमी से बनी हुई रूढ़ियाँ, परकीयों के साथ संघर्ष की परिस्थिति से उत्पन्न माँग को पूरा करने के लिए अपनाये गये उपाय अथवा परकीयों द्वारा थोपी गयी या उनका अनुकरण कर स्वीकार की गयी व्यवस्थाएँ मात्र हैं। भारतीय संस्कृति के नाम पर उन्हें जिन्दा रखा जा सकता है।

(क) उपर्युक्त गद्यांश का संदर्भ लिखिए।

(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(ग) भारतीय सांस्कृतिक चेतना के कमजोर होने का मुख्य कारण क्या है ?

(घ) युगानुरूप परिवर्तन एवं विकास नहीं होने का क्या कारण है ?

(ङ) 'परिस्थिति' एवं 'सांस्कृतिक' शब्दों में क्रमशः उपसर्ग और प्रत्यय छाँटकर लिखिए।

अथवा

अशोक को जो सम्मान कालिदास से मिला, वह अपूर्व था। सुन्दरियों के आसिंजनकारी नूपुर वाले चरणों के मृदु आघात से वह फूलता था, कोमल कपोलों पर कर्णावतंस के रूप में झूलता था और चंचल नील अलकों की अचंचल शोभा को सौ गुना बढ़ा देता था। वह महादेव के मन में क्षोभ पैदा करता था, मर्यादा पुरुषोत्तम के चित्त में सीता का

भ्रम पैदा करता था और मनोजन्मा देवता के एक इशारे पर कंधे पर से ही फूट उठता था।

(क) उपर्युक्त गद्यांश का संदर्भ लिखिए।

(ख) रेखांकित गद्यांश की व्याख्या कीजिए।

(ग) संस्कृत के किस कवि ने अशोक को सम्मानित किया है ?

(घ) अशोक पर फूल आने के संबंध में लेखक के क्या विचार हैं ?

(ङ) 'आसिंजनकारी' तथा 'कर्णावतंस' का अर्थ लिखिए।

4. पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **5 × 2 = 10**

निकसि कमंडल उमंडि नभ-मंडल-खंडति।
धाई धार अपार वेग सौं वायु विष्टंडति ।।
भयौ घोर अति शब्द धमक त्रिभुवन तरजे।
महामेघ मिलि मनहुँ एक संगहिं सब गरजे ।।

(क) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।

(ख) प्रस्तुत पद्यांश में गंगा जी कहाँ से निकलीं ?

(ग) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(घ) 'त्रिभुवन' शब्द में कौन-सा समास है ?

(ङ) 'महामेघ मिलि मनहु एक संगहिं सब गरजे' में कौन-सा अलंकार है ?

अथवा

सुख भोग खोजने आते सब,
आये तुम करने सत्य खोज
जग की मिट्टी के पुतले जन,
तुम आत्मा के, मन के मनोज !
जड़ता, हिंसा, स्पर्धा में भर
चेतना, अहिंसा, नम्र-ओज,
पशुता का पंकज बना दिया
तुमने मानवता का सरोज।

(क) उपर्युक्त पद्यांश के कवि एवं कविता का नाम लिखिए।

(ख) अधिकांश मानव संसार में आकर किसकी खोज में लग जाते हैं ?

(ग) 'मनोज' और 'स्पर्धा' शब्दों के अर्थ लिखिए।

(घ) इस पद्यांश में कवि ने किस प्रसंग का वर्णन किया है ?

(ङ) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

5. (क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का जीवन-परिचय देते हुए उनकी कृतियों का उल्लेख कीजिए। (शब्द-सीमा अधिकतम : 80 शब्द) **3 + 2 = 5**

(i) वासुदेवशरण अग्रवाल (ii) हजारीप्रसाद द्विवेदी (iii) डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का जीवन परिचय देते हुए उनकी कृतियों का उल्लेख कीजिए : (शब्द-सीमा अधिकतम : 80 शब्द) **3 + 2 = 5**

(i) जयशंकर प्रसाद (ii) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' (iii) सुमित्रानन्दन पंत

6. कहानी-कला के तत्त्वों के आधार पर 'खून का रिश्ता' अथवा 'ध्रुवयात्रा' कहानी की समीक्षा कीजिए। (शब्द-सीमा अधिकतम : 80 शब्द) **5**

अथवा

'लाटी' कहानी के प्रमुख पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए। (शब्द-सीमा अधिकतम : 80 शब्द)

7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का संक्षिप्त उत्तर दीजिए : (शब्द-सीमा अधिकतम : 80 शब्द) **5**

(क) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य की प्रमुख घटनाओं का वर्णन कीजिए। **अथवा** 'रश्मिरथी' के नायक कर्ण का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ख) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य की प्रमुख घटनाओं का वर्णन कीजिए। **अथवा** 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य का नायक कौन है ? उसका चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ग) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की विशेषताओं का वर्णन कीजिए। **अथवा** 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(घ) 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य की विशेषताएँ लिखिए। **अथवा** 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के नायक का चरित्रांकन कीजिए।

(ङ) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य की किसी एक प्रमुख घटना का वर्णन कीजिए। **अथवा** 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के नायक की चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(च) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य की विशेषताओं का वर्णन कीजिए। **अथवा** 'त्यागपथी' खण्डकाव्य की प्रमुख नारी पात्र का नाम बताइए और उसकी विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

खण्ड – ख

8. (क) निम्नलिखित संस्कृत गद्यांश का संदर्भ-सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए : **2 + 5 = 7**

धन्योऽयम् भारतदेशः यत्र समुल्लसति जनमानस-पावनी, भव्यभावोद्भाविन
शब्द-सन्दोह-प्रसविनी सुरभारती ।विद्यमानेषु निखिलेष्वपि वाङ्मयेषु
अस्याः वाङ्मयं सर्वश्रेष्ठं सुसम्पन्नं च वर्तते ।इयमेव भाषा संस्कृतनाम्नापि
लोके प्रथिता अस्ति ।अस्माकं रामायण-महाभारतादीतिहासिकग्रन्थाः,
चत्वारो वेदाः, सर्वा उपनिषदः, अष्टादशपुराणानि, अन्यानि च
महाकाव्य-नाटचादीनि अस्यामेव भाषायां लिखितानि सन्ति ।

अथवा

महामना विद्वान् वक्ता धार्मिको नेता, पटुः पत्रकारश्चासीत् ।
परमस्य सर्वोच्चगुणः जनसेवैव आसीत् ।यत्र कुत्रापि अयं जनान्
दुःखितान् पीडचमानान् अपश्यत् तत्रैव सः शीघ्रमेव उपस्थितः
सर्वविधं साहाय्यञ्च अकरोत् ।प्राणिसेवा अस्य स्वभाव एवासीत्
।

(ख) निम्नलिखित श्लोक का हिन्दी में संदर्भ-सहित अनुवाद कीजिए : **2 + 5 = 7**

प्रजानामेव भूत्यर्थं स ताभ्यो बलिमगृहीत् ।
सहस्रगुणमुत्स्रष्टुमादत्ते हि रसं रविः ।।

अथवा

परीक्षे कार्यहन्तारं प्रत्यक्षे प्रियवादिनम् ।
वर्जयेत्तादृशं मित्रं विषकुम्भं पयोमुखम् ।।

9. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए : **2 + 2 = 4**

(क) विद्यार्थी किम् त्यजेत् ?

(ख) के न्यायतः पथः न प्रविचलन्ति ?

(ग) कस्याः भाषायाः व्याकरणं सुनिश्चितम् ?

(घ) चतुष्पदाः कं राजानम् अकुर्वन् ?

10. (क) 'हास्य' अथवा 'करुण' रस का लक्षण एवं उदाहरण लिखिए। **1 + 1 = 2**

(ख) 'उपमा' अथवा 'रूपक' अलंकार की परिभाषा लिखिए तथा उदाहरण भी दीजिए। **1 + 1 = 2**

(ग) 'सोरठा' अथवा 'कुण्डलिया' छन्द की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए। **1 + 1 = 2**

11. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए : **9**

(क) पर्यावरण-प्रदूषण

(ख) यदि मैं भारत का प्रधानमन्त्री होता ?

(ग) कबीर का समाज-सुधार

(घ) विज्ञान : अभिशाप या वरदान

(ङ) विद्यार्थी-जीवन में खेलकूद का महत्त्व

12. (क) (i) 'नयनम्' का सन्धि-विच्छेद है – **1**

(अ) न + यनम् (ब) नय + अनम् (स) नै + अनम् (द) ने + अनम्

(ii) 'नाविकः' का सन्धि-विच्छेद है – **1**

(अ) नव + इकः (ब) नौ + इकः (स) नाव + इकः (द) नय + इकः

(iii) 'दुश्चरित्र' में सन्धि है – **1**

(अ) एङि पररूपम् (ब) जश्त्व (स) टुत्त्व (द) श्चुत्व

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक का विग्रह करके समास लिखिए : **2**

(i) आजीवनम् (ii) महादेव (iii) त्रिनेत्र

13. (क) (i) निम्नलिखित में से किसी एक शब्द में धातु एवं प्रत्यय बताइए : **1**

(अ) पठनीयः (ब) स्थित्वा (स) धनवान्

(ii) निम्नलिखित में से किसी एक शब्द में प्रत्यय बताइए : **1**

(अ) गत्वा (ब) पठितः (स) रूपवान्

(ख) रेखांकित पदों में से किसी एक पद में प्रयुक्त विभक्ति तथा सन्धि नियम का उल्लेख कीजिए : **2**

(i) सः राज्ञः पुरुषः अस्ति। (ii) नृषु द्विजः श्रेष्ठः। (iii) सः पादेन खञ्जः अस्ति।

14. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर पत्र लिखिए : **8**

(i) विद्युत व्यवस्था में सुधार के लिए जिलाधिकारी को।

(ii) स्कूल की व्यवस्था को सुधारने हेतु जिला विद्यालय निरीक्षक को।

(iii) अपने घर तक खड़न्जा बिछाने हेतु ग्राम प्रधान को।